

<b>ATOMIC ENERGY CENTRAL SCHOOL, _____</b>			
<b>WORKSHEET-CYCLE</b>			
<b>SUBJECT-HINDI</b>			<b>CLASS-12</b>
<b>LESSON- उषा</b>			<b>MODULE-1</b>
<b>NAME OF THE STUDENT</b>			
<b>ROLL NO.</b>		<b>DATE :</b>	
<b>MAX MARKS :</b>		<b>MARKS OBTAINED</b>	

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2X4=8

**1.**

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे

भोर का नभ

राख से लिपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है) (पृष्ठ-36)

- (क) कवि ने प्रातःकालीन वातावरण की समानता नीले शंख से क्यों दी है?  
 (ख) कवि ने भोर के नभ को राख से लिपा हुआ चौका क्यों कहा है?  
 (ग) चौके के गीले होने का क्या प्रतीकार्थ है?  
 (घ) काव्यांश के आधार पर प्रातःकालीन वातावरण का चित्रण कीजिए।

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2X4=8

**2.**

बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से

कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

माल दी हो किसी ने।

- (क) कवि किस दृश्य का चित्रण करना चाहता है? 2  
 (ख) 'काली सिल' और 'स्लेट' किस दृश्य को चित्रित करते हैं? 2  
 (ग) लाल केसर और लाल खड़िया चाक किस दृश्य को चित्रित करते हैं? 2  
 (घ) प्रातःकालीन ओस और नमी को किस प्रकार चित्रित किया गया है? 2

.....